'बोधिसत्व अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव–2017' कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का सम्बोधन

(दिनांक–22.02.2017, समय–अपराह्न 04:00 बजे, स्थान–अधिवेशन भवन)

ग्रामीण स्नेह फाऊन्डेशन द्वारा आयोजित ''बोधिसत्व अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव'' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित श्री अडूर गोपालकृष्णन जी, श्री सुधीर मिश्रा जी, श्री गोविन्द निहलानी जी, श्री गौतम घोष जी, ग्रामीण स्नेह फाऊन्डेशन की अध्यक्ष श्रीमती स्नेहा जी, श्रीमती पंकजा ठाकुर जी, श्रीमती सीमा त्रिपाठी जी, श्री त्रिपुरारी शरण जी, सभी गणमान्यजन, मीडिया प्रतिनिधिगण, देवियों एवं सज्जनों !!

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि बिहार की राजधानी पटना की धरती पर सिनेमा का संगम आयोजित हो रहा है। ग्रामीण स्नेह फाऊन्डेशन द्वारा आयोजित 'बोधिसत्व इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल–2017' में भारत के विभिन्न राज्यों और भारत से बाहर के अन्य देशों की फिल्में दिखाई जा रही हैं। ये बिहार के लोगों और सांस्कृतिक अभिरूचि रखनेवाले समस्त व्यक्तियों के लिए गौरवान्वित होने का समय है। ग्रामीण स्नेह फाऊन्डेशन को साधुवाद है कि पाटलिपुत्र की इस पावन धरती पर संगीत, सिनेमा और नाटक का बेजोड़ संगम उसके द्वारा सम्पन्न करवाया जा रहा है। इस समारोह में मराठी, बंगाली, तमिल, मलयाली, आसामी, मणिपुरी आदि के साथ–साथ, श्रीलंका, जापान, फ्रांस, इरान, अर्जेन्टाइना, अमेरिका, बांग्लादेश, नेपाल, केन्या आदि देशों की फिल्में भी दिखाई जा रही हैं।

मित्रों, स्वस्थ, सुशिक्षित और सुन्दर जीवन को सही दिशा देने के लिए सांस्कृतिक उपक्रम, खासकर सिनेमा बहुत ही सशक्त माध्यम है। जहाँ तक इस 'फिल्म फेस्टिवल' का प्रश्न है, इसकी एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है कि एक साथ 3 सभागार में

यहाँ लघु फिल्मों, वृत चित्रों, एनिमेशन एवं फीचर फिल्मों, आदि का प्रदर्शन हो रहा है। इस समारोह में पधारे विश्व के विभिन्न देशों और भारत के विभिन्न राज्यों तथा सिने–जगत् की महत्त्वपूर्ण हस्तियों का बिहार की धरती पर स्वागत है।

बन्धुओं! गीत,संगीत, सिनेमा, नाटक आदि से जुडे सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में भावनात्मक एकता प्रगाढ़ होती है। समाज में शांति, सुव्यवस्था, सद्भावना और नैतिकता की जड़ें मजबूत हों, इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को जगाए रखें। हमारी संस्कृति हममें देश के प्रति, देश की मिट्टी के प्रति, देश की आबो–हवा के प्रति, देश के खेत–खलिहानों, नदियों–पर्वतों, बाग–बगीचों, वनों, पशु–पक्षियों, बल्कि यों कहें कि सम्पूर्ण प्राकृतिक उपादानों के प्रति आत्मीयता और प्रेम का भाव रखने की सीख देती है। हमारी यही सांस्कृतिक आस्था सम्पूर्णता में देशप्रेम का भाव जगाती है। हम अपने देश को प्रेम करते हैं, हममें देशभक्ति का भाव है, इसका मतलब यह कत्तई नहीं कि हम दूसरे देशों, वहाँ के इतिहास और संस्कृति तथा वहाँ के लोगों के प्रति आत्मीयता और आदर का भाव नहीं रखते। भारत की सांस्कृतिक विशेषता रही है कि हम पूरी दुनियाँ को अपना परिवार समझते हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश हम ही ने पूरी दुनियाँ को दिया है। हमारा देशप्रेम विश्व–बन्धुत्व की ओर हमें स्वाभाविक रूप से प्रेरित करता है। मित्रों, 'बोधिसत्व अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' के आयोजन को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। इस आयोजन में श्रीलंका, बांग्लादेश जापान, फ्रांस, इरान, अमेरिका, नेपाल आदि देशों की फिल्में दिखाई जा रही हैं तो यहाँ के दर्शक इन फिल्मों के माध्यम से संबंधित देशों की संस्कृति, वहाँ की परम्परा, वहाँ की जीवन–शैली –सारी बातों से परिचित हो रहे हैं। पूरी दुनियाँ की सांस्कृतिक गतिविधियों का एक दूसरे के साथ आदान–प्रदान होते रहने से विश्व–बंधुत्व और विश्व मानवता की अवधारणा को ही मजबूती मिलती है। भारत के

विभिन्न प्रान्तों की आंचलिक संस्कृतियों की सुगंध समेकित रूप ग्रहण कर भारतीय संस्कृति को भी बहुवर्णी सौन्दर्य प्रदान करती है।

आशा है, इस फिल्म महोत्सव के आयोजन से आप भरपूर आनंद लेंगे तथा एक दूसरे की सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित होंगे। विचारों और सोच का खुलापन हमारे सर्वतोन्मुखी विकास के लिए बहुत जरूरी है। स्वामी विवेकानन्द जी ने भी कहा था कि ''भारत विश्वगुरू की गरिमा से अभिमंडित रहे, इसके लिए यह आवश्यक है कि हम अपने ज्ञान और अनुभव के वातायन को खुला रखें।'' हमारी वैदिक मान्यता भी रही है कि ''आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः।'' अर्थात्, हमारे लिए सभी ओर से कल्याणकारी विचार आयें।

भारतीय संस्कृति की साझी विरासत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ऐसे आयोजनों से समृद्ध होती है। इस आयोजन से बिहार में भी फिल्म उद्योग के विकास की संभावनाएँ जगेंगी और राज्य के विकास का एक नया प्रक्षेत्र मूर्त्त रूप ग्रहण करेगा। मैं 'स्नेह फाऊण्डेशन' को ऐसे सार्थक आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द !!

***

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।